आगमन

आओ हम उसको सराहें

प्रत्येक दिनः पवित्रशास्त्र पढ़ें, समझने के लिए प्रार्थना करें, और प्रश्नों का उत्तर दें

सप्ताह 1: मत्ती 1:18-25, लूका 2:1-7
सप्ताह 2: लूका 2:8-20
सप्ताह 3: लूका 2:25-33
सप्ताह 4: मत्ती 2:1-12

दिन 1 — **विनम्र आगमन**

आप उद्धारकर्ता के आगमन के बारे में क्या सीखते हैं?
उसकी सूची बनाएं। उसके आने के बारे में आपको क्या आश्चर्य होता है?

दिन 2 — **क्या आप वही सुनते हैं जो मैं सुनता हूँ?**

इस अंश में अपने आप को कल्पना करें।
सेटिंग का वर्णन करें (देखना, सूंघना, और आप क्या सुन सकते हैं)।
आप इस स्थिति में कैसा महसूस कर सकते हैं?

दिन 3 — **मैं कौन ?**

कैसे व्यक्ति / लोगों ने आगमन पर प्रतिक्रिया दी?
क्या आप उसी तरह से प्रतिक्रिया देंगे? क्यों या क्यों नहीं?

दिन 4 — **आशा का रोमांच**

दिए गए भागों को जोर से पढ़ें। शायद बाइबल के दो अतिरिक्त अनुवादों से पढ़ें सुनने और विचार करने के लिए समय निकालें। आशा को आत्मविश्वास, आशावाद, विश्वास के एक उत्साह के रूप में परिभाषित किया गया है। इन आयतों में लोगों को आशा कैसे मिली?

दिन 5 — **विश्वास सुनने से आता है**

यीशु मसीह के जन्म के बारे में सच्चाइयों को सीखना एक नींव बनाता है जिस पर हमारा विश्वास बढ़ता है। इस अंश को पढ़ने और अध्ययन करने से आपका विश्वास कैसे बढ़ा है? आप इस संदेश को किसके साथ सहभागिता करना चाहेंगे?

परिचय

एन्नो डोमिनी, हमारे प्रभु का वर्ष। पृथ्वी का कैलेंडर एक तारीख के चारों ओर घूमता है - यीशु मसीह का जन्म, मसीह ने जो होने का दावा किया है चाहे हम इस बात में विश्वास करें या न करे, यह एक शुरुआती बिंदु है जिसके चारों ओर दुनिया रहती है। इस एक घटना ने इतिहास को बदल दिया।

कभी भी शब्द, "उद्धारकर्ता" का उपयोग नहीं किया गया था। "वह एक पुत्र को जन्म देगी, और तुम उसका नाम यीशु रखना, क्योंकि वह अपने लोगों को उनके पापों से बचाएगा" मत्ती 1:21। एक उद्धारकर्ता कौन है और हमें इसकी आवश्यकता क्यों है? परमेश्वर ने सिद्धता को अपना मानक, निर्धारित की थी। मानव जाति को जल्दी से उस मानक पर जीने के व्यर्थ प्रयास का एहसास हुआ। परमेश्वर को खुश करने के प्रयास करते हुए, वे जानते थे कि कोई रास्ता नहीं था। केवल विश्वास और विश्वास के माध्यम से - यीशु मसीह के जीवन, मृत्यु और पुनरुत्थान में, परमेश्वर तक पहुँचने का मार्ग संभव हो गया। उसका जीवन सिद्ध बलिदान था जिसकी परमेश्वर द्वारा मांग थी यह सब बेथलहम में पैदा होने के साथ शुरू हुआ जो एक महत्वहीन बच्चे के समान मालूम हुआ था।

यह संक्षिप्त चार सप्ताह का अध्ययन हमारे जीवन के उद्धारकर्ता के विनम्र आरंभ की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करने के लिए है। जैसे-जैसे आप परमेश्वर के वचन को पढ़ते, विचार करते और अध्ययन करते हैं, वैसे-वैसे आपके अंदर अद्भुत परिवर्तन होने लगते हैं। आगमन का मौसम तैयारी का एक रोमांचक समय बन जाएगा, जब आप उसके आगमन से जुड़े पवित्रशास्त्र का अध्ययन करेंगे।

इन चार कहानियों के अंदर झांकें। आप खुद को मीठी घास की महक के बीच और कोलाहलपूर्ण मंदिर की आवाज़ों के बीच पाएंगे। आप तारों से भरी रात की आकर्षण को देखेंगे और एक नवजात बच्चे के छोटे हाथों को चूमने लगेंगे। आप इस भव्य घोषणा का जीवित गवाह बनने के अवसर को महसूस करेंगे और इस राजा के सम्मान में पूरी सृष्टि के साथ शामिल होने के योग्य होंगे।

परमेश्वर ने अनन्तकाल से इस क्षण की योजना बनाई थी। यीशु ठहराए हुए समय पर आया। आइए हम खुद को तैयार करें।

आओ हम उसको सराहें

NBS2go ©2021 NBS2GO'M, Cru® की एक सेवा. सभी अधिकार सुरक्षित nbs2go.com